अव्यवस्था | सफाई व्यवस्था पर रोज़ उठ रहे सवाल, नहीं आती कचरा गाड़ी

भाजपा और कांग्रेस के बीच उलझा शंकरशाह वार्ड

नवभारत, जबलपुर। नगर के शंकरशाह वार्ड में इन दिनों सफाई व्यवस्था को लेकर रहवासियों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कई कॉलोनियों में नियमित रूप से कचरा गाड़ी नहीं पहुंचती, जिसके कारण जगह-जगह कचरे के ढेर लग रहे हैं। बदबू और गंदगी से लोगों को रोज़ाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर गर्मी के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार कई बार नगर निगम में शिकायत करने के बाद अगले दिन सफाई तो कर दी जाती है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर वही हालात बन जाते हैं। लोगों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा, केवल शिकायत शांत कराने के लिए अस्थायी सफाई कर दी जाती है।

जिम्मेदारी लेने से बचते रहे पार्षद

मामले को लेकर जब रामपुर क्षेत्र के दो अलग अलग पार्षदों से बात की गई तो दोनों के बीच वार्ड की जिम्मेदारी को लेकर भ्रम की स्थिति देखने को मिली। जहाँ एक पार्षद ने इसे दूसरे वार्ड का हिस्सा बताया, जबकि दूसरे पार्षद ने भी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया दोनों ही पार्षद बीजेपी और कांग्रेस पार्टी के बीच उलझ के रह गए थे। वही रहवासियों का आरोप है कि अपनी लापरवाही छुपाने के लिए जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाली जा रही है, जबकि समस्या का असर आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि चुनाव के समय विकास और सफाई के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर हालात अलग दिखाई देते हैं। कॉलोनियों में नियमित सफाई नहीं होने से बीमारी फैलने का खतरा भी बना रहता है। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में नियमित रूप से कचरा गाड़ी भेजी जाए और सफाई व्यवस्था की निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि लोगों को गंदगी और बदबू से राहत मिल सके।

इनका कहना है

हमारे घर के सामने लगातार कचरा फेंका जा रहा है। वहां कचरा डालने के लिए टंकी बनी हुई है, लेकिन उसके बाहर भी लोग कचरा डाल देते हैं।

दुर्गेश मिश्रा

कई बार सफाई से संबंधित शिकायत की गई, लेकिन कुछ दिन सफाई होने के बाद फिर वही हालात बन जाते है।

टेकचंद नाविक

एमपीईबी की यह कॉलोनी सेमी गवर्नमेंट कॉलोनी के अंतर्गत आती है। ऐसे में वहां की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी बिजली विभाग स्वयं संभालती है। संभवत: इसी वजह से क्षेत्र के लोगों को सफाई संबंधी समस्याओं और अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है।

हेमलता सिंगरौल, पार्षद, शंकरशाह वार्ड

थ्री आर सेन्टर्स साबित हो रहे हैं जनोपयोगी

पुस्तक, बर्तन, खिलौना और थैला बैंक का लाभ उठा रहे हैं जरूरतमंद

बच्चे भी टीवी और मोबाइल को छोड़कर पहुंच रहे थ्री आर सेन्टर

नवभारत,जबलपुर। नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शहर में स्थापित किए गए थ्री आर सेंटर्स न केवल कचरा प्रबंधन में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं, बल्कि ये अब जनोपयोगी केंद्रों के रूप में उभरकर सामने आए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नेकी की दीवार जैसी भावना को धरातल पर उतारा जा रहा है, जहाँ संपन्न परिवारों द्वारा दी गई वस्तुएं जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान ला रही हैं। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा गौरीघाट के साकेतधाम रोड़ पर निर्मित आकर्षक सुन्दर और सुव्यवस्थित थ्री आर सेन्टर का निरीक्षण कर जरूरतमंदों और बच्चों के लिए रखे सामग्रियों की प्रशंसा की ।

नगर निगम द्वारा संभाग क्रमांक 6 के अंतर्गत आई.एस.बी.टी. परिसर और संभाग क्रमांक 7 के अंतर्गत महर्षि महेश योगी वार्ड के आलोक नगर उद्यान में स्वच्छता के संबंध में गतिविधियां आयोजित की गयीं। इन गतिविधियों में जहाँ एक ओर स्थानीय बच्चे मोबाइल और टेलीवीजन से दूर होकर उद्यान में खेलने आए और थ्री आर सेन्टर्स में उपलब्ध सुविधाओं का भरपूर आनंद उठाया, वहीं दूसरी और स्थानीयजनों, पार्षद और अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई। निगमायुक्त के अनुसार आज के डिजिटल युग में जहाँ बच्चे टीवी और मोबाइल में सिमटते जा रहे हैं, वहीं थ्री आर सेंटर्स में बने खिलौना बैंक उन्हें अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

बच्चे यहाँ पहुँचकर न केवल खेल का आनंद ले रहे हैं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और स्वच्छता के संस्कारों को भी सीख रहे हैं। वहीं जनभागीदारी से थ्री आर सेन्टर्स में बच्चों के साथ-साथ स्थानीय जरूरतमंदजनों के लिए ये सेंटर काफी उपयोगी है। यहाँ संचालित पुस्तक बैंक भी आकर्षण का केन्द्र बना है, बर्तन बैंक आयोजनों में सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में उभर रहा है, थैला बैंक प्लास्टिक मुक्त शहर के संकल्प को मजबूती दे रहा है।

इन जगहों पर संचालित है थ्री आर सेन्टर

निगमायुक्त ने बताया कि गौरीघाट के अलावा काँचघर, सिविक सेन्टर, घंटाघर, राजागोकुलदास धर्मशाला, बढ़ा पत्थर, हनुमानताल, दमोहनाका, छोटी लाइन फाटक, कछपुरा, आलोक नगर उद्यान अधारताल और शासकीय स्कूल सगड़ा के पास थ्री आर सेन्टर्स संचालित हैं, जहाँ से सैंकड़ो जरूरतमंद लोग लाभ उठा रहे हैं।

जनसुविधाओं में किसी प्रकार की कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : निगमायुक्त

स्मार्ट सिटी कार्यालय पहुंचकर निगमायुक्त ने की समीक्षा

नवभारत,जबलपुर। शहर की बुनियादी सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने और योजनाओं के कार्यों को व्यवस्थित तरीके से कर आमजनों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार रविवार को सुबह-सुबह स्मार्ट सिटी कार्यालय पहुँचे। उन्होंने वहाँ स्वच्छता, जनगणना की तैयारियों, सी.एम. हेल्पलाइन और विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि शहर की रैंकिंग और नागरिक सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्वच्छता अभियान में विशेष जोर देते हुए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सफाई व्यवस्था की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। जन शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करने और संतुष्टिपूर्ण फीडबैक सुनिश्चित करने की बात कही। जनगणना से संबंधित कार्यो को समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, विभागीय प्रमुख एवं संभागीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

न्याय की दहलीज पर दम तोड़ती उम्मीदें, चीखते पीड़ित, बेबस तंत्र . . .

थानों में सुनवाई नहीं, एसपी ऑफिस में आत्मदाह की कोशिशें, पुलिस कार्यप्रणाली पर उठते सवाल

जबलपुर । न्याय की पहली दहलीज थाना होता हैं, लेकिन आज यही दहलीज आम नागरिकों के लिए दुखों का द्वार बनती जा रही है जहां न्याय पाने की उम्मीदें अब दम तोड़ती नजर आने लगी है। थानेदार, विवेचना अधिकारी जांच के नाम पर तारीखें देते है और पीड़ित का भरोसा टूटकर बिखर जाता है, वे न्याय के लिए चीखते रहते है और तंत्र बेबस नजर आता है। भले ही उच्च अधिकारियों की क्राइम मीटिंग में शिकायतों के त्वरित निराकरण के दावे तो होते हैं, समय-समय पर अधिकारियों द्वारा शिकायतों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों को जल्द सुलझाने और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर संवेदनशीलता दिखाने के कड़े आदेश दिए जाते रहे है, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। थानों में शिकायतों की समीक्षा केवल कागजों पर चल रही है। पीड़ित न्याय पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। थानों में जांच के नाम पर टालमटोल का खेल जारी है। जब निचले स्तर पर सुनवाई नहीं होती, तो शिकायतों का अंबार पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुँच जाता है। थानों की उदासीनता का सबसे भयावह चेहरा तब सामने आता हैं जब न्याय न मिलने से हताश होकर पीड़ित आत्मघाती कदम उठाते हैं। ऐसी कई हृदयविदारक घटनाएं सामने आ चुकी है। ये घटनाएं चीख-चीख कर कह रही हैं कि जब रक्षक ही नहीं सुनेगा तो पीड़ित के पास मौत को गले लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल चिंताजनक है। पीड़ितों को भटकाने वालों पर सख्त निर्णय लेने की जरूरत है। केवल बैठकों में फरमान सुनाने, चिल्लाने, मीटिंगों में आदेश देना काफी नहीं है । जब तक एफआईआर दर्ज न करने वाले और पीड़ितों को टहलाने वाले थाना प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों पर कठोर विभागीय और कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आम नागरिक इसी तरह दर-दर भटकता

रहेगा और व्यवस्था, न्याय की पहली दहलीज पर पीड़ितों की उम्मीदें टूटते हुए दम तोड़ती रहेगी।

एसपी ऑफिस में इन्होंने किया सुसाइड का प्रयास

8 मई को अधारताल थाने में कार्रवाई होने से परेशान पीड़िता पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और जहरीली गोलियों का सेवन कर लिया। महिला को पुलिस कर्मियों ने विक्टोरिया में भर्ती कराया जहां उसके बयान दर्ज किए गए । इसी प्रकार 18 मार्च को धोखेबाज प्रेमी पर बेलबाग थाने में कार्रवाई न होने से परेशान एक युवक ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश की। हालांकि उसे बचा लिया गया और बाद में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया ।इसके पहले भी कई ऐसे मामले सामने आ चुके है जिसमें सुनवाई न होने पर पीड़ितों ने ऐसे कदम उठाए है।

कोर्ट का सहारा, पुलिस की नाकामी का सबूत

थानों से न्याय न मिलने के कारण आम नागरिक थर हारकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से लेकर न्यायालय तक की चौखट खटखटाने को मजबूर है। कोर्ट के आदेश पर होने वाली एफआईआर की संख्या भी बढ़ रही है। पीड़ित थानों से न्याय न मिलने पर कोर्ट की शरण ले रहे है। ऐसे मामले बता रहे है कि अगर पुलिस अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाती, तो पीड़ितों को वकील और कोर्ट के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।

ये मामले न्यायालय में पहुंचे तब दर्ज हुई एफआईआर

जेल प्रहरी धीरेन्द्र द्विवेदी को गैंस एजेंसी का लायसेंस दिलाने के नाम पर 19 लाख रूपए हड़पे गए । मामला न्यायालय में दायर किया गया ।जिसके बाद 12 जनवरी को सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज हुई। फर्जी रजिस्ट्री के आधार पर नामांतरण कराने के मामले में कोर्ट के आदेश पर ग्वारीघाट पुलिस ने 21 अप्रैल को मुन्ना सिंह ठाकुर पर प्रकरण दर्ज किया । 11 अप्रैल को सिविल लाइन में अधिवक्ता पंकज शर्मा के साथ आरक्षक साकेत तिवारी ने मारपीट की । थाने में सुनवाई नहीं हुई तो हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई। इसके बाद मामले आरक्षक पर प्रकरण दर्ज हुआ। एक फर्जीवाड़े मामले में हाईकोर्ट की ओमती टीआई, एएसआई को लताड़ पड़ने के बाद 6 मई को पांच आरोपियों पर एफआईआर दर्ज हुई। इसके अलावा ढेरों ऐसे मामले में है जो कोर्ट के फरमान या न्यायालय की फटकार के बाद पुलिस ने दर्ज किए है।

कार्रवाई के बजाए जांच-आश्वासन का चक्रव्यूह

उच्चाधिकारियों के स्पष्ट आदेश दिए जाते रहे कि शिकायतों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विशेषकर महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा जाता है लेकिन ये आदेश फाइलों में धूल खाते रहते है, हकीकत यह है कि थानों में पीड़ित की सुनवाई होने के बजाय उसे जांच और आश्वासन के चक्रव्यूह में उलझा दिया जाता है। थानों में तैनात स्टाफ का व्यवहार मित्र पुलिस जैसा नहीं है, छोटे मामलों को भी प्रारंभिक जांच के नाम पर हफ्तों लटकाया जाता है।

कप्तान की दहलीज में पहुंची 895 शिकायतें देती गवाही

जनवरी माह से लेकर मई माह के बीच पुलिस कप्तान की दहलीज में 895 शिकातें पहुंच चुकी है। यह थानों की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लगने वाली जनसुनवाई में पहुंची ये शिकायतें इस बात की गवाही देता है कि निचले स्तर पर पुलिसिंग फेल हो रही है। इतना ही नहीं न्याय की आस खो चुके कई पीड़ितों ने एसपी कार्यालय परिसर में ही आत्महत्या तक की कोशिश तक चुके है।

महाप्रबंधक ने कटनी रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण किया

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने जबलपुर से कटनी रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य रेल परिचालन की सुरक्षा, ट्रैक संरक्षा, सिग्नलिंग व्यवस्था तथा यात्री एवं मालगाड़ी संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करना था ।महाप्रबंधक ने जबलपुर से कटनी तक यात्रा के दौरान रेल पथ, सिग्नल प्रणाली, संरक्षा उपकरणों तथा ट्रैक अनुरक्षण कार्यों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। कटनी पहुंचने पर उन्होंने डिपार्चर यार्ड, आरओएच डिपो, व्हील केयर यूनिट, टीआरएस शेड एवं डीजल शेड का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध

सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा रेलवे कर्मचारियों के लिए निर्मित टाइप-4 रेलवे क्वार्टर का उद्घाटन भी किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को संरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।निरीक्षण के दौरान जबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

घर की छप्पर में लटका था आठ फीट लंबा सांप

जबलपुर । विजय नगर में एक घर की छप्पर पर आठ फीट लंबा सांप लटका था। जिसे देखकर हड़कंप मच गया । सूचना पर सर्प विशेषज्ञ ने पहुंचकर सांप को पकड़ा और जंगल में छोड़ दिया । जानकारी के अनुसार विजय नगर निवासी संतोष दुबे के घर में शाम 5 बजे घर की छप्पर में एक आठ फीट लंबा सांप लटका और अठखेलियां करता देखकर परिजनों में दहशत व्याप्त हो गई। सूचना पर पहुंचे सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे ने रैस्क्यू करते हुए सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया पकड़ा गया सांप धामन प्रजाति का था, जो कि जहरीला नहीं होता है।

आक्रोशित लोगों ने कातिल के घर में पथराव कर की तोड़फोड़

आरोपी की हुई डीएनए जांच आज होगा कोर्ट में पेश

गला दबाकर महिला की हत्या का मामला, दुष्कर्म की आशंका

जबलपुर । घमापुर थाना अंतर्गत शीतलामाई में शुक्रवार शाम महिला की गला दबाकर हत्या करने वाले आरोपी के घर में आक्रोशिजनों ने पथराव करते हुए तोड़फोड़ की। इस दौरान गुस्साएं लोगों ने रास्ते में खड़ी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। एक अन्य घर को भी निशाना बनाया। गुस्साएं लोगों ने काफी देर तक उपद्रव मचाया जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार

करने के बाद रविवार को डीएनए जांच कराई। मृतिका के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका के चलते डीएनए सैंपल लिए गए ताकि पता लगाया जा सके कि आरोपित ने हत्या के पहले रेप किया था या नहीं। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपी को आज न्यायालय के समक्ष पेश करेगी।

विदित हो कि शीतलामाई में अतुल कोरी 24 वर्ष का मां आशा के साथ रहता है जहां बम्बादेवी बल्दीकोरी की दफाई में रहने वाली 38 वर्षीय आरती चौधरी की साफ-सफाई का काम करती थी। शुक्रवार को आशा विवाह समारोह में शामिल होने गई थीं। घर में अतुल अकेला था। इसी दौरान आरती चौधरी (40) घर पहुंची थी। जिसे अकेला पाकर अतुल ने उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की जब उसने विरोध किया तो उसकी गमच्छे से गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद घर का दरवाजा बाहर से बंद कर फरार हो गया था । शनिवार को पीएम के बाद परिजन ने थाने में शव रखकर प्रदर्शन कर निष्पक्ष जांच, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को बरेला से गिरफ्तार कर लिया था। रविवार को मृतिका के परिजनों एवं आक्रोशितजन अचानक आरोपित के घर पहुंच गए और उन्होंने जमकर पथराव करते हुए तोड़फोड़ की ।इस दौरान एक अन्य घर और रास्ते में खड़े वाहनों में भी तोड़फोड़ की। रविवार को पुलिस ने डीएनए जांच कराई। दुष्कर्म की आशंका के चलते सैंपल लिए गए । रिपोर्ट आने केबाद पता चल सकेगा कि उसने दुष्कर्म किया था या नहीं। इसके बाद मामले में धाराएं बढ़ सकती है ।पुलिस गिरफ्त में आए आरोपी को सोमवार को न्यायालय के समक्ष पेश करेगी ।

तिल की खेती | जबलपुर के खेतों में बिखरेगी तिल की खुशबू, जायद के सीजन में किसानों ने की 366 हेक्टेयर में बोनी

शून्य से 366 हेक्टेयर तक का सफर

जबलपुर। जिले के कृषि परिदृश्य में इस वर्ष एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार की कृषक हितैषी नीतियों और फसल विविधीकरण अभियान से प्रेरित होकर जबलपुर के किसानों ने इस बार ग्रीष्मकालीन (जायद) सीजन में तिल की खेती की ओर विशेष रुचि दिखाई है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जहाँ बीते वर्ष जायद सीजन में जिले में तिल का रकबा शून्य था, वहीं इस वर्ष किसानों ने 366 हेक्टेयर क्षेत्र में तिल की बोनी कर एक नया

कीर्तिमान स्थापित किया है ।पिछले कुछ वर्षों तक ग्रीष्मकाल में किसान मुख्य रूप से मूंग या उड़द पर निर्भर थे। लेकिन प्रशासन और कृषि विशेषज्ञों द्वारा चलाये गये जागरूकता अभियान का असर धरातल पर दिखाई देने लगा है ।सिंचाई की उपलब्धता एवं कम लागत में अधिक मुनाफे की संभावना को देखते हुए, इस बार किसानों ने तिल को प्राथमिकता दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, ग्रीष्मकालीन तिल की खेती किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है। तिल की फसल को बहुत कम सिंचाई की जरूरत होती है, जो गर्मी के मौसम के लिए सबसे उपयुक्त है। इसमें खाद और कीटनाशकों का खर्च अन्य फसलों की तुलना में कम आता है, जबकि बाजार में तिल के भाव (खासकर सफेद तिल) काफी ऊंचे रहते हैं। तिल की खेती से मिट्टी की संरचना में सुधार होता है, जिससे अगली खरीफ फसल की पैदावार भी बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि अन्य फसलों के मुकाबले तिल में कीट और रोगों का खतरा कम रहता है। कृषि अधिकारियों के अनुसार तिल की वैश्विक मांग और इसके औषधीय गुणों के कारण किसानों को इसका उचित मूल्य मिलना तय है। जिले में 366 हेक्टेयर में हुई तिल की बोनी इस बात का संकेत है कि जबलपुर का किसान अब प्रयोगधर्मी हो रहा है और बाजार की मांग के अनुरूप खेती करने के लिए तैयार है। उप संचालक कृषि यू के कटहरे ने तिल की खेती की ओर जिले के किसानों के झुकाव को जिले की कृषि अर्थ व्यवस्था के लिये शुभ संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि फसल चक्र में बदलाव लाकर किसान न केवल अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन भी बना सकते हैं।

बदमाशों ने घर पर बमबाजी कर फैलाई दहशत

जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत नेहरू नगर इलाके में बीती रात पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों ने एक महिला के घर पर बम से हमला कर दिया। धमाके की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नेहरू नगर निवासी श्रीमती मारिमा स्वामी (36) बंगलों में खाना बनाने का काम करती हैं, बीती रात करीब 2:45 बजे वह अपने बेटे देव स्वामी के साथ घर में सो रही थीं। तभी अचानक घर के बाहर बम फटने की जोरदार आवाज आई।

आवाज सुनकर जब मारिमा और उनका बेटा बाहर भागे, तो उन्होंने गली में मोहल्ले के ही आशीष फ्रांसिस, गणेश गौड़ और प्रवीण उर्फ सानू कोष्टा को तेजी से भागते हुए देखा। जांच करने पर घर के सामने और उनकी मां लक्ष्मी नायडू के घर की पिछली दीवार पर बम फटने के निशान मिले। मौके पर फटे हुए बम के अवशेष और एक जिंदा बम भी बरामद हुआ है।

बेटे से विवाद के चलते किया हमला

पीड़िता ने बताया कि आरोपी आशीष, गणेश और प्रवीण का उनके बेटे देव स्वामी के साथ पुराना विवाद चल रहा है। आशंका जताई जा रही है कि इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने डराने या नुकसान पहुंचाने की नीयत से घर की दीवार पर बम चलाए। धमाके की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग भी इकट्ठा हो गए थे। कैंट थाना पुलिस ने मारिमा स्वामी की शिकायत पर आरोपी आशीष फ्रांसिस, गणेश गौड़ और प्रवीण उर्फ सानू कोष्टा के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।